

# शोध संचयन

SHODH SANCHAYAN  
ISSN 2249-9180 (Online)  
ISSN 0975-1254 (Print)  
RNI No.: DELBIL/2010/31292

An Internationally  
Indexed Refereed  
Research Journal & A  
complete Periodical  
dedicated to Humanities  
& Social Science  
Research  
मानविकी एवं समाज  
विज्ञान के मौलिक एवं  
अंतरानुशासनात्मक शोध  
पर केन्द्रित

Half Yearly

Vol-4, Issue-1  
15 Jan-2013

शोध अभिमत

[www.shodh.net](http://www.shodh.net)

Web Portal of  
Humanity & Social  
Science Research

शोध अभिमत

आपकी पत्रिका शोध संचयन नियमित पढ़ती हूँ। यह नेट पर [www.shodh.net](http://www.shodh.net) पते पर उपलब्ध है। नेट पर शोध संचयन के उपलब्ध होने से हम विदेश में रहने वाले आसानी से आई पोड और इंटरनेट पर पढ़ते हैं। शोध संचयन देश-विदेश के शोध-साहित्य के महत्वपूर्ण पत्रिका है। जो दिन पर दिन निखर रही है।

भविष्य में यह पत्रिका और तरक्की करे यह कामना है।

- माया भारती

Grevilingveien 2G  
0959 Oslo

Norway

[mayabharti@gmail.com](mailto:mayabharti@gmail.com)

\*\*\*\*\*

आज हिन्दी में शोध पत्रिकाओं की बहुत कमी है। वेब पर कई पत्रिकाएँ प्रकाशित मिलती हैं। इन वेब पत्रिकाओं में मौलिक शोध पत्रों की कमी खलती है। शोध संचयन को पढ़ा, मुझे बहुत अच्छी लगी। शोध संचयन में प्रकाशित लेख और शोध सामग्री प्रेरणास्पद है। शोध पर अनेक लेखों के अलावा वेब साइट में सेमिनार/कार्यशाला और अन्य सूचनाओं की समय-समय पर उपलब्धता सुखद है। यहाँ नार्वे में हम हिन्दी स्कूल चलाते हैं। वेब पर हिन्दी में इस प्रकार की अच्छी सामग्री देखकर हमें सुखद अनुभव होता है। शोध संचयन और उसकी पूरी टीम को मैं शुभकामनाएँ प्रेषित करती हूँ।

संगीता शुक्ल सीमोनसेन  
प्रधानाचार्य, हिन्दी स्कूल  
ओस्लो, नार्वे

\*\*\*\*\*

The last issue of of Shodh Sanchayan was very topical, relevant and exploring. This journal is improving day by day and ready to match and compete with other peer journals in the Humanities and Social Science Research. The plurality displayed in the selection of articles and papers by the editorial board deserves kudos. I hope and believe this journal will further improve and make its presence felt globally among the academics.

Dr Gopal Singh  
Associate Professor & Ex Head  
Dept of Mass Communication & Journalism  
B B Ambedkar Central University  
Lucknow

\*\*\*\*\*

‘शोध संचयन’ बेहद स्तरीय, रोचक, ज्ञानवर्धक शोध पत्रिका है। इस जर्नल में छपे शोध आलेखों में विषयों की विविधता ध्यान अपनी ओर खींचती है। सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी के विषयों पर केन्द्रित यह

# शोध संचयन

SHODH SANCHAYAN  
ISSN 2249-9180 (Online)  
ISSN 0975-1254 (Print)  
RNI No.: DELBIL/2010/31292

An Internationally  
Indexed Refereed  
Research Journal & A  
complete Periodical  
dedicated to Humanities  
& Social Science  
Research  
मानविकी एवं समाज  
विज्ञान के मौलिक एवं  
अंतरानुशासनात्मक शोध  
पर केन्द्रित

Half Yearly

Vol-4, Issue-1  
15 Jan-2013

शोध अभिमत

[www.shodh.net](http://www.shodh.net)

Web Portal of  
Humanity & Social  
Science Research

अंतरराष्ट्रीय शोध जर्नल विभिन्न विषयों के शोधार्थियों को एक मंच प्रदान करता है, जहाँ से कोई भी शोधार्थी विषय से संबन्धित अपनी बाधाओं को दूर कर सकता है। सामयिक मुद्दों से जुड़े शोध आलेख व शोध पत्र जर्नल की गुणवत्ता को प्रतिबिंबित करते हैं। जर्नल में दलित विमर्श, सामाजिक सरोकारीय मुद्दे व स्त्री चेतना से जुड़े विभिन्न अध्येताओं के शोध आलेख बहुत ही उत्कृष्ट एवं जानकारियुक्त हैं। शोध जर्नल विभिन्न शोध लेखों के माध्यम से लोगों को शोधा के लिए प्रेरणा प्रदान करता है। संपादकीय बेहद ही ज्ञानवर्धक व जानकारीपरक होता है।

एक अच्छी शोध पत्रिका के लिए संपादक मंडल को धन्यवाद !

रामशंकर

शोधार्थी-पीएच.डी. जनसंचार

महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय,  
वर्धा, महाराष्ट्र

# शोध. संचयन SHODH SANCHAYAN